NAMASKAR MAHAMANTRA

TREASURE OF INFINITE POWERS

नमस्कार महामंत्र

अनंत शक्ति का स्रोत

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

MUNI JINESHKUMAR

मुनि जिनेश कुमार

णमो अरहंताणं
णमो सिद्धाणं
णमो आयरियाणं
णमो उवज्झायाणं
णमो लोए सव्व साहूणं
णमो णाणस्स
णमो दंसणस्स
णमो चरित्तस्स
णमो तवस्स

अहिंसा परमो धर्मः
यतो धर्मस्ततो जयः
सत्य
चरित्र
अपरिग्रह
अचौर्य

मंगल भावना पत्रक

ARHAM

Concentration of Mahamantra on chaitanya kendra (With colours)

Om Namo Arahantanam — Gyan Kendra
(Concentrate on White Colour)

Om Namo Siddhanam — Darshan Kendra
(Concentrate on Sunrise Red Colour)

Om Namo Ayariyanam — Vishuddhi Kendra
(Concentrate on Yellow Colour)

Om Namo Uvajjhayanam — Anand Kendra
(Concentrate on Green Colour)

Om Namo Loye Savva Sahoonam — Swasthya Kendra
(Concentrate on Blue Colour)

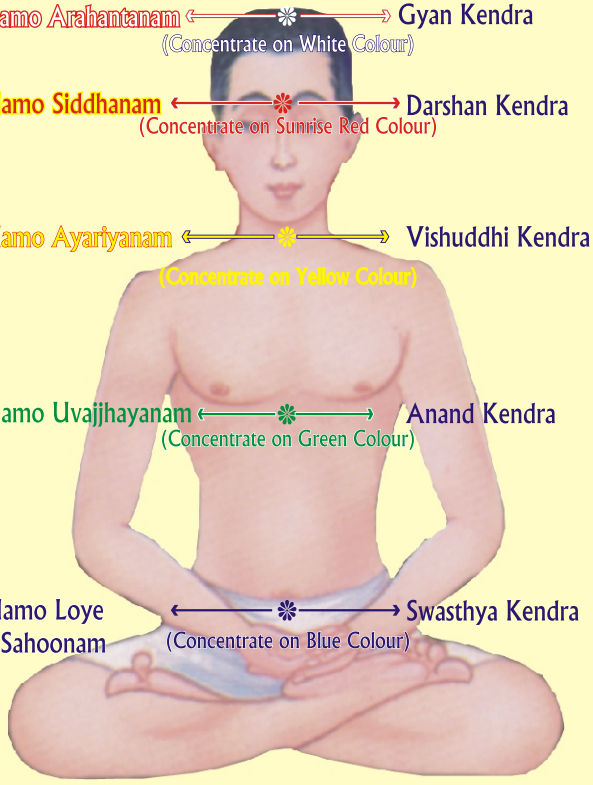

अर्हम्

चैतन्य केन्द्र पर महामंत्र का ध्यान (रंगो सहित)

ॐ णमो अरहंताणं — ज्ञान केन्द्र
(सफेद रंग का ध्यान)

ॐ णमो सिद्धाणं — दर्शन केन्द्र
(सूर्योदय की भांति लाल रंग का ध्यान)

ॐ णमो आयरियाणं — विशुद्धि केन्द्र
(पीले रंग का ध्यान)

ॐ णमो उवज्झायाणं — आनन्द केन्द्र
(हरे रंग का ध्यान)

ॐ णमो लोए सव्वसाहूणं — स्वास्थ्य केन्द्र
(नीले रंग का ध्यान)

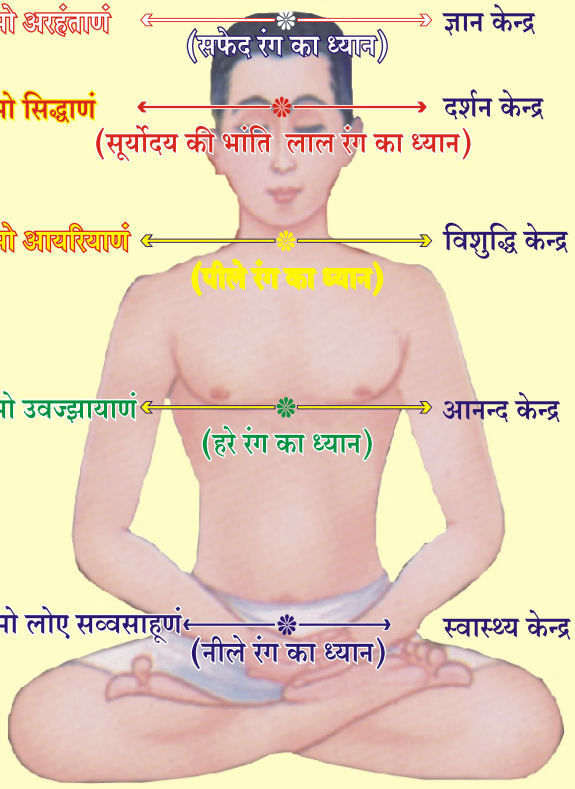

ARHAM

PREFACE

The dream of Gurudev **Shri Tulsi** was that our young generation should become well mannered. The dream has been given way by Acharya **Shri Mahapragyaji** & Yuvacharya **Shri Mahashramanji.**

Namaskar Mahamantra is Treasure of infinite powers. This book is prepared for children. The book is being published in Hindi & English together.

It contains brief information on Namaskar Mahamantra. Specially prepared for children the book will be beneficial for all. With well wishes...

Terapanth Bhawan - *Muni Jineshkumar*
Gandhinagar, Bangalore
21st Nov. 2007

अर्हम्

प्रस्तावना

गुरुदेव श्री तुलसी का महत्वपूर्ण सपना था भावी पीढ़ी को सुसंस्कारी बनाना। उसी सपने को साकार रुप दे रहे हैं आचार्य श्री महाप्रज्ञजी एवं युवाचार्यश्री महाश्रमणजी।

नमस्कार महामंत्र अनंत शक्ति का स्रोत है। बच्चों के लिये इस लघु पुस्तिका को तैयार किया गया है। पुस्तिका संयुक्त रुप से हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित हो रही है।

इसमें नमस्कार महामंत्र की संक्षिप्त जानकारी दी गई है । विशेषकर बच्चों के लिये बनाई गई पुस्तिका सभी के लिये उपयोगी बने।

इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ ...

तेरापंथ भवन - मुनि जिनेशकुमार
गांधीनगर, बेंगलोर
21 नवम्बर 2007

NAMASKAR MAHAMANTRA

An overview

Summary :

✓Famous and Formost mantra of the Jain religion.

✓King of all mantras.

✓Destroyer of all the sins.

Advantages :

✓Provides mental peace, purifies mind, enhances concentration, awakens inner energy, develops will-power & list of it's uses still continues...

Importance & Meaning :

❖What is the importance of **Namaskar Mahamantra**?

☞In true sense it is king of all mantras. It is universal mantra and anyone can adapt it irrespective of caste and religion. Thus it is universal mantra. Also it is not person or religion oriented but it is combination of great souls namely Arihants, Siddhas, Acharyas, Upadhyayas and Sadhus.

❖What is meant by **Panch Parmeshthi** ?

☞**Panch** means five and **Parmeshthi** means great souls - Arihant, **Siddhas,** Acharyas, **Upadhayayas** and **Sadhus. Namaskar Mahamantra** contains these five great souls.

नमस्कार महामंत्र

एक दृष्टि में

सारांश :

✓ जैन धर्म का प्रसिद्ध मंत्र है।

✓ सर्वश्रेष्ठ मंत्र।

✓ सभी पापों का नाश करने वाला मंत्र।

लाभ –

✓मानसिक शांति, मन शुद्धि, एकाग्रता, आन्तरिक शक्ति का विकास, संकल्पशक्ति का विकास आदि।

महत्त्व एवं तात्पर्य –

❖ **नमस्कार महामंत्र** की महत्ता क्या है ?

☞ यह सर्वश्रेष्ठ मंत्र है। सभी पापों का नाश करने वाला मंत्र है। यह व्यक्ति विशेष नहीं है, ना हि जाति विशेष है। इसमें गुणों की पूजा की गई है।

❖ **पंच परमेष्ठी** से क्या तात्पर्य है ?

☞ **पंच परमेष्ठी** से तात्पर्य है पांच महान आत्मा – अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय एवं साधु। नमस्कार महामंत्र में इनका स्मरण किया गया है।

NAMO ARAHANTANAM

Meaning :

- ✓ Obeisance to the ARAHANTS.
- ✓ Arahant means the destroyer of all four destructive karmas and attained total knowledge (Keval Gyan)
- ✓ Characteristic qualities (inherent powers)- Twelve.

Methodology of chanting :

- ✓ Choose any suitable and comfortable posture, face east or north direction and Chant line OM NAMO ARAHANTANAM. While concentrating at the top of head (Gyana Kendra), visualizing the white colour of the full moon.
  (Note : there are thirteen centers in our body. They are called Chaitanya Kendras. Gyana Kendra is one of them.)

Advantages :

- ✓ Enhances purity, concentration, sharpens Memory.
- ✓ Pacifies the ill effects of the planets Moon and Venus.

Mudra : Arhat Mudra.

Process

- ✓ Raise both hands while inhaling, lower down both hands while exhaling.

णमो अरहंताणं

अर्थ –

- ✓ अरहंतो को मेरा नमस्कार हो ।
- ✓ चार घनघाति कर्मों को नष्ट करके जिन्होंने केवल ज्ञान प्राप्त किया है वे अरिहंत कहलाते हैं।
- ✓ गुण – बारह।

जप विधि –

- ✓ योग्य आसन में उत्तर या पूर्व दिशा में मुंह करके बैठें । ज्ञान केन्द्र पर चन्द्रमा के भांति सफेद रंग का ध्यान करें और ओम् णमो अरहंताणं का जाप करें।

लाभ –

- ✓ एकाग्रता, स्मरण शक्ति का विकास ।
- ✓ चन्द्र और शुक्र ग्रह की शान्ति के लिए उपयोगी।

मुद्रा – अर्हत् मुद्रा।

विधि –

- ✓ श्वास छोड़ते हुए हाथों को ऊपर ले जाएं।
- ✓ श्वास छोड़ते हुए हाथों को नीचे लाएं।

NAMO SIDDHANAM

Meaning :

- ✓ Obeisance to the Siddhas.
- ✓ Siddhas means the destroyer of all eight karmas.
- ✓ Siddhas are free from the shackles of birth and death, the one who is liberated soul.
- ✓ Characteristic qualities (inherent powers) - Eight.

Methodology of chanting :

- ✓ Choose any suitable and comfortable posture, face east or north direction and Chant line **"Om Namo Siddhanam"** While concentrating at the middle portion of the eyebrows (Darshan Kendra) visualizing the red colour of the rising sun.

Advantages :

- ✓ Develops inside energy, removes laziness. Pacifies the ill effects of the planets Sun and Mars.

Mudra : Siddha Mudra.

Process:

- ✓ Raise both hands forming Lotus posture while inhaling, lower down hands while exhaling.

णमो सिद्धाणं

अर्थ –

- ✓ सिद्धों को मेरा नमस्कार हो।
- ✓ आठ कर्मों का क्षय करने वाले सिद्ध कहलाते हैं।
- ✓ सिद्ध जन्म मरण की शृंखला से मुक्त होते हैं।
- ✓ गुण – आठ।

जप विधि –

- ✓ योग्य आसन में उत्तर या पूर्व दिशा में मुंह करके बैठें। दर्शन केन्द्र पर उगते सूर्य की भांति लाल रंग का ध्यान करें और ओम् णमो सिद्धाणं का उच्चारण करें।

लाभ –

- ✓ आन्तरिक शक्ति का विकास।
- ✓ आलस्य को दूर करता है।
- ✓ सूर्य और मंगल ग्रह की शान्ति के लिए उपयोगी।

मुद्रा – सिद्ध मुद्रा।

विधि –

- ✓ श्वास भरते हुए हाथों को उपर ले जाकर कमल के आकार में रखें।
- ✓ श्वास छोड़ते हुए हाथों को नीचे लाएं।

NAMO AYARIYANAM

Meaning :

✓Obeisance to the Acharya.

✓ Acharya is one who practices five great vows and is the spiritual head of the sect.

✓ Characteristic qualities(inherent powers)-Thirty Six.

Methodology of chanting :

✓Choose any suitable and comfortable posture, face east or north direction and Chant line "Om Namo Ayariyanam" while concentrating on the middle portion of the throat (Vishuddhi Kendra) visualizing the golden yellow Colour of the sunflower.

Advantages :

✓ Develops will-power, purifies the mind.

✓ pacifies the ill effect of the planet Jupiter.

Mudra : Acharya Mudra.

Process :

✓ Raise both hands to the shoulders while inhaling, lower down hands while exhaling.

णमो आयरियाणं

अर्थ –

✓ आचार्यों को मेरा नमस्कार हो ।

✓ पांच महाव्रतधारी, संघ के अधिशास्ता आचार्य कहलाते हैं।

✓ गुण – छत्तीस।

जप विधि –

✓ योग्य आसन में उत्तर या पूर्व दिशा में मुंह करके बैठें । विशुद्धि केन्द्र पर सूर्यमुखी फूल के भांति पीले रंग का ध्यान करें और "ओम् णमो आयरियाणं" का उच्चारण करें।

लाभ –

✓ इच्छा शक्ति का विकास, भावों की शुद्धि और गुरू ग्रह की शांति के लिए उपयोगी।

मुद्रा – आचार्य मुद्रा।

विधि –

✓ श्वास भरते हुए हाथों को कंधें के पास ले जाएं, सीना फुलाएं। श्वास छोड़ते हुए हाथों को नीचे लाएं।

NAMO UVAJJHAYANAM

Meaning :

- ✓ Obeisance to the Upadhayas.
- ✓ Upadhyaya is the one who has the knowledge of the Scriptures and teaches the same to others.
- ✓ Characteristic qualities(inherent powers)-Twenty Five.

Methodology of chanting :

✓Choose any suitable and comfortable posture,face east or north direction and Chant line "Om Namo Uvajjhayanam" while concentrating at the middle portion of the chest (Anand Kendra) visualizing the green colour of the leaves of the tree.

Advantages :

✓Pacifies the passion, awakens the consciousness of bliss.

✓Pacifies the ill effects of the planet Mercury.

Mudra : Upadhyay Mudra.

Process :

✓Raise both hands while inhaling. Neck & eyes should be towards sky. Lower down hands while exhaling.

णमो उवज्झायाणं

अर्थ –

- ✓उपाध्यायों को मेरा नमस्कार हो ।
- ✓आगम, ग्रन्थ आदि का अध्ययन कर उसे पढ़ाने वाले उपाध्याय कहलाते हैं ।
- ✓गुण – पच्चीस ।

जप विधि –

- ✓ योग्य आसन में उत्तर या पूर्व दिशा में मुंह करके बैठें । आनंद केन्द्र पर हरे रंग का ध्यान करें और 'ओम् णमो उवज्झायाणं' का उच्चारण करें ।

लाभ –

- ✓आवेश, आवेग शान्त एवं आनन्द की प्राप्ति ।
- ✓गुरु ग्रह की शान्ति के लिए उपयोगी ।

मुद्रा – उपाध्याय मुद्रा ।

विधि –

- ✓श्वास भरते हुए हाथों को उपर ले जाएं । गर्दन और दृष्टि आकाश की ओर रहे । श्वास छोड़ते हुए हाथों को नीचे लाएं ।

NAMO LOYE SAVVASAHOONAM

Meaning

✓Obeisance to all the **monks and nuns.**

✓Monk is the one who practices the five great vows called mahavarats viz non-voilence, truth, non-stealing, celibacy, and non-possession.

✓Characteristic qualities (inherent powers) -Twenty Seven.

Methodology of chanting:

✓Choose any suitable and comfortable posture, face east or north direction and Chant line **"Om Namo Loye Savvasahoonam"** while concentrating at the bottom portion of the spinal cord (Shakti Kendra) visualizing the dark blue colour.

Advantages :

✓Develops the energy and disease resistance power Pacifies the ill effects of the planets Saturn, Rahu and Ketu.

Mudra - Muni Mudra.

Process :

✓Raise both hands making hollow of the palm while inhaling, lower down with folded hands while exhaling.

णमो लोए सव्वसाहूणं

अर्थ –

✓सभी साधु, साध्वियों को मेरा नमस्कार हो ।

✓पांच महाव्रतों का पालन करने वाले साधु कहलाते हैं।

✓गुण – सत्ताईस।

जप विधि –

✓योग्य आसन में उत्तर या पूर्व दिशा में मुंह करके बैठें। शक्ति केन्द्र पर गहरे नीले रंग का ध्यान करें और ''ओम् णमो लोए सव्वसाहूणं'' का उच्चारण करें।

लाभ –

✓उत्साह बढ़ता है। रोगप्रतिरोधात्मक शक्ति का विकास होता है।

✓शनि, राहू एवं केतु ग्रहों की शान्ति के लिए उपयोगी।

मुद्रा – मुनि मुद्रा।

विधि –

✓श्वास भरते हुए हाथों को उपर ले जाएं । श्वास छोड़ते हुये अंजलि मुद्रा में हाथों को नीचे लाते हुए वंदन करें।

ESO PANCH NAMOKKARO,
SAVVA PAVAPPANASANO;
MANGALANAM CHA SAVVESIM,
PADHAMAM HAVAI MANGALAM.

Meaning :

✓This five fold-obeisance destroys all sins. It is the foremost in all auspices.

Miscellaneous :

- ✓ Namaskar Mahamantra contains five lines and thirty five letters in which eleven Laghu & twenty four Guru letters are there with fifteen big & twenty small matras.
- ✓ Om & Aa,Si,Aa,U,Sa, are the abbreviations or short form of the Namaskar Mahamantra.
- ✓ It is the most effective mantra of Jain unity.
- ✓ It has the capacity to purify the soul.
- ✓ Arihants are our God, Supreme deity. Now Simandhar Swamy is present in Mahavideh.
- ✓ Our god is Mahaveer Swamy.
- ✓ As per old Acharyas chanting of Namaskar Mahamantra properly for eight crores, eight lacs, eight thousand, eight hundred & eight times one gets Moksh in the third Bhav.
- ✓ Namaskar Mahamantra is also known as Navkar Mantra.

एसो पंच णमोक्कारो, सव्व पावप्पणासणो ।
मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवइ मंगलं ।।

अर्थ –

- ✓ यह मंत्र सभी पापों का नाश करने वाला है और सभी मंगलों में पहला मंगल है ।

विविध –

- ✓ नमस्कार महामंत्र में पाँच पद और पैंतीस अक्षर हैं, जिसमें ग्यारह लघु एवं चौबीस गुरू अक्षर हैं। पन्द्रह दीर्घ और बीस ह्रस्व मात्रायें हैं ।
- ✓ ओम् और अ.सि.आ.उ.सा. नमस्कार महामंत्र के संक्षिप्त रूप हैं ।
- ✓ यह जैन एकता का प्रभावी मंत्र है ।
- ✓ इसमें कर्म शोधन की क्षमता है ।
- ✓ अरिहंत हमारे देव हैं । वर्तमान में महाविदेह क्षेत्र में सीमंधर स्वामी विराजमान हैं ।
- ✓ हमारे भगवान महावीर स्वामी हैं ।
- ✓ प्राचीन आचार्यों के अनुसार शुद्ध मन से नमस्कार महामंत्र का विधिपूर्वक जाप आठ करोड़, आठ लाख, आठ हजार, आठ सौ, आठ बार करने से तीसरे भव में मोक्ष की प्राप्ति होती है ।
- ✓ नमस्कार महामंत्र को नवकार मंत्र भी कहते हैं ।

Shrimati and Navkar Mantra

A lady named Shrimati had a faith in Namaskar Mahamantra but her mother-in-law always hated that. She told Shrimati to stop chanting the mantra but Shrimati continued. So, mother-in-law got angry & finally decided to kill her. She kept a snake in jar and told Shrimati that she brought a garland for her and asked to take it from the jar. When Shrimati took the snake from the jar while chanting Navkar Mantra, it became a garland of flowers. Second time her mother- in-law did the same thing and kept a scorpion in the jar. But due to chanting of Navkar Mantra the scorpion converted into a flower. Third time she threw Shrimati in the river but due to the power of Navkar Mantra the water of the river became dry earth. At last mother-in-law realized the importance of chanting Navkar Mantra and asked Shrimati to forgive her sin and she also started chanting Navkar Mantra.

This story tells us the advantages of chanting Navkar Mantra.

श्रीमती और नवकार मंत्र

श्रीमती को नवकार मंत्र पर गहरी आस्था थी। वह प्रतिदिन उसका स्मरण करती थी। सास को यह पसंद नहीं था। उसने मनाही की, परन्तु श्रीमती ने स्मरण उसी प्रकार चालु रखा। इससे सास क्रुद्ध हो गई। उसने श्रीमती को खत्म करने का मन बना लिया। मटके में साँप रखवाकर उसने श्रीमती से कहा- मटके में फूलों का हार है, निकालकर पहन लो। श्रीमती ने नवकार मंत्र का जप करके मटके में हाथ डाला तो मंत्र के प्रभाव से वह साँप फूलों के हार में बदल गया। दूसरी बार सास ने मटके में बिच्छु रखवाया और श्रीमती से कहा मटके में फूल है ले आओ। श्रीमती ने पुनः नवकार मंत्र का जप करके मटके में हाथ डाला तो मंत्र के प्रभाव से बिच्छु फूल बन गया।तीसरी बार सास ने उसे नदी के तेज प्रवाह में धक्का दे दिया। लेकिन नवकार मंत्र के प्रभाव से नदी का पानी सुखी जमीन में बदल गया और श्रीमती बच गई। तब सास को अपने कृत्य पर बहुत पश्चाताप हुआ। उसने श्रीमती से क्षमायाचना कीऔर वह भी नवकार मंत्र की आराधना में लग गई।

यह कहानी हमें नवकार मंत्र के जाप से होने वाले लाभ के बारे में बताती है।

Faith of Amarkumar

Once Emperor Shrenik started building a new Palace but as the Palace completes it got crumbled. The Emperor got upset. Then an astrologer advised the Emperor, If you perform a yagna at this place & sacrifice a man who has thirty two characteristics then this Palace will not crumble. The Emperor announced in the town that whoever is willing to sacrifice a man over here will get gold equivalent to his weight.

After listening the announcement a poor lady named Bhadra decided to offer her son Amarkumar to the Emperor for sacrifice. The innocent boy Amarkumar cried a lot but no one heard about him. Then he peacefully started chanting Namaskar Mahamantra. Later Amarkumar was brought to the yagna & thrown in the fire. Immediately a miracle happened. Due to the effect of Namaskar Mahamantra the fire extinguished & a Throne appeared. Amarkumar was safe & all were astonished.

This Story tell us that chanting of Namaskar Mahamantra can turn big obstacles into miracles.

अमरकुमार की आस्था

एक बार राजा श्रेणिक ने एक महल का निर्माण करवाना प्रारम्भ किया । ज्योंहि महल पूरा बनता वह धराशायी हो जाता । राजा निराश हो गया । तब एक ज्योतिषी ने राजा से कहा – अगर इस स्थान पर यज्ञ में एक बत्तीस लक्षण वाले पुरुष की बलि दी जाये तो यह महल नहीं गिरेगा। राजा श्रेणिक ने नगर में घोषणा करवाई कि जो बलि के लिये बत्तीस लक्षण वाला पुरुष देगा उसको बलि वाले पुरुष के वजन के बराबर सोना तोलकर दिया जायेगा।

भद्रा नाम की एक गरीब स्त्री ने यह घोषणा सुनकर अपने पुत्र अमरकुमार को बलि के लिये राजा को सौंप दिया । अमरकुमार बहुत रोया पर किसी ने उसकी नहीं सुनी । तब वह शान्त भाव से नवकार मंत्र का जप करने लगा । अमरकुमार को यज्ञ स्थल पर लाया गया और उसे अग्निकुण्ड में डाल दिया गया । तभी अचानक चमत्कार घटित हुआ। नवकार मंत्र के प्रभाव से अग्नि शांत हो जाती है और वहाँ पर एक सिंहासन बन जाता है ।अमरकुमार बच जाता है और सारे लोग आश्चर्यचकित होकर नवकार मंत्र के प्रति श्रद्धाप्रणत हो जाते हैं।

इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि नमस्कार महामंत्र के प्रभाव से बड़े-बड़े कष्ट भी पल भर में छुमंतर हो जाते हैं।

Faith Healing

Once upon a time a Jain follower went to a Monk, who knows different types of mantras, for treatment of his serious disease. The monk utters a mantra silently & purify some water, He offered the purified water to the Jain follower to drink. Due to the effect of mantra the water turned into medicine. Slowly the Jain follower became well. Then the Jain follower asked the Monk - which mantra have you used to cure the disease ? The Monk replied that I have used Namaskar Mahamantra of Jain's. I treat my patients with this Jain mantra only. The Jain follower said even I know this mantra & I chant it daily but I have never got any advantages. The monk smilingly said that your faith on mantra is very week. Unless you have deep faith no mantra can show its effects. Faith shows miracles & the result comes due to faith only. The Jain follower started chanting Navkar Mantra with full faith from the day.

This story tells us that everyone should chant Namaskar Mahamantra with full faith.

आस्था का चमत्कार

एक जैन श्रावक अपनी बीमारी का इलाज करवाने के लिए मंत्रवादी के पास गया। मंत्रवादी ने थोड़ी देर मन ही मन मंत्र का जप कर पानी को मंत्रित किया। फिर उस मंत्रित पानी को जैन श्रावक को पिला दिया। उस मंत्र के प्रभाव से वह पानी औषधि बन गयी। धीरे -धीरे वह जैन श्रावक बिमारी से मुक्त होकर स्वस्थ हो गया। तब उसने मंत्रवादी से मंत्र जप के बारे में पूछा कि तुम कौनसे मंत्र से रोगियों का इलाज करते हो ? उस मंत्रवादी ने कहा कि मैं जैनों के महामंत्र नवकार मंत्र का जप कर रोगियों का इलाज करता हूँ। तब उस जैन श्रावक ने कहा - यह मंत्र तो मैं भी जानता हूँ और इसका जप भी करता हूँ। परन्तु मुझे तो कोई लाभ नहीं हुआ। तब उस मंत्रवादी ने हंसते हुए कहा - मंत्र के प्रति तुम्हारी आस्था कमजोर है। जब तक आस्था दृढ़ नहीं होती तब तक किसी भी मंत्र का जप अपना प्रभाव नही दिखाता है। आस्था ही चमत्कार करती है और आस्था से ही फल की प्राप्ति होती है। तब से वह जैन श्रावक भी पूर्ण आस्था के साथ नवकार मंत्र का जप करने लग गया।

इस कहानी से प्रेरणा मिलती है कि प्रत्येक व्यक्ति को पूर्ण आस्था के साथ नमस्कार महामंत्र का जप करना चाहिये।

PARMESHTHI VANDANA

Vandana Ananda-pulakita, vinayanata ho mein karun,
Eka laya ho, eka rasa ho, bhava tanmayata varun.

NAMO ARAHANTANAM

Sahaja nija aloka sebhasita svayam sambuddha hain,
Dharma-tirthankara, subhankara, vitaraga vishuddha hain,
Gati-pratishta, trandata, avarana se mukta hain,
Deva-arhan divya-yograj, atisayon se yukta hain. ||1||

NAMO SIDDHANAM

Bandhanon ki shrinkhala se, mukta saktisrota hain,
Sahaja nirmala, atmalaya mein satata ota-prota hain,
Dagdhakara bhava-beeja - ankura aruja, aja, avikara hain,
Siddha paramatma parama ishwara apunaravatara hain. ||2||

NAMO AYARIYANAM

Amalatama achara dhara mein swayam nishnata hain,
Dipa sama shata deepa dipan ke liye prakhyata hain,
Dharma shasana ke dhurandhara dhira dharmacharya hain,
Pratham pad ke pravara pratinidhi, pragati mein anivarya hain. ||3||

NAMO UVAJJHAYANAM

Dvadasangi ke pravakta, gyana-garima punj hain,
Sadhana ke shanta upavana mein suramya nikunja hain,
Sutra ke svadhyaya mein samlagna rahate hain sada,
upadhyaya mahana shrutadhara, dharma shasana-sampada. ||4||

NAMO LOYE SAVVASAHUNAM

Labha aura alabha mein, sukha-duhkha mein madhyastha hain,
Shantimaya, Vairagyamaya, anandamaya atamastha hain,
Vasana se virata akriti, sahaj parama prasanna hain,
Sadhana dhana sadhu antarbhava mein asanna hain. ||5||

परमेष्ठी वंदना

वंदना आनंद पुलकित, विनय नत हो मैं करू ।
एक लय हो एक रस हो, भाव तन्मयता वरूं ।।

णमो अरहंताणं

सहज निज आलोक से भासित स्वयं संबुद्ध हैं ।
धर्म तीर्थंकर शुभंकर, वीतराग विशुद्ध हैं ।
गति-प्रतिष्ठा-त्राण दाता, आवरण से मुक्त हैं ।
देव अर्हन् दिव्य योगज अतिशयों से युक्त हैं ।।1 ।।

णमो सिद्धाणं

बंधनों की शृंखला से, मुक्त शक्ति स्रोत हैं ।
सहज निर्मल आत्मलय में सतत ओतप्रोत हैं ।
दग्धकर भव बीज अंकुर, अरूज अज अविकार हैं ।
सिद्ध परमात्मा परम ईश्वर अपुनरवतार हैं ।।2 ।।

णमो आयरियाणं

अमलतम आचार धारा में स्वयं निष्णात हैं ।
दीप समशत दीप दीपन के लिए प्रख्यात हैं ।।
धर्म शासन के धुरन्धर धीर धर्माचार्य हैं ।
प्रथम पद के प्रवर-प्रतिनिधि, प्रगति में अनिवार्य हैं ।।3 ।।

णमो उवज्झायाणं

द्वादशांगी के प्रवक्ता, ज्ञान गरिमा पुंज हैं ।
साधना के शान्त उपवन में सुरम्य निकुंज हैं ।।
सूत्र के स्वाध्याय में संलग्न रहते हैं सदा ।
उपाध्याय महान श्रुतधर, धर्म-शासन सम्पदा ।।4 ।।

णमो लोए सव्वसाहूणं

लाभ और अलाभ में, सुख-दुःख में मध्यस्थ हैं ।
शान्तिमय, वैराग्यमय, आनंदमय आत्मस्थ हैं ।।
वासना से विरत आकृति, सहज परम प्रसन्न हैं ।
साधना धन साधु अन्तर्भाव में आसन्न हैं ।।5 ।।